तापमान

अधिकतम 33.0 डिग्री

न्यूनतम 19.0 डिग्री

हरिभूमि - कांकेर भूमि

रायपुर, गुरुवार, 27 फरवरी 2025

14 दुर्गूकोंदल अंचल में आस्था और भक्ति के...

14 सीमा सुरक्षा बल देश की सीमाओं की रक्षा ही...

पर्व : शहर व ग्रामीण इलकों में कई जगहों पर शिव मंदिरों की हुई स्थापना

महाशिवरात्रि पर शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता, ओम नमः शिवाय मंत्र की दिनभर गूंज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

महाशिवरात्रि पर बुधवार सुबह सबेरे ही शहर के विभिन्न मंदिरों में हर-हर महादेव के जयघोष की गूंज शुरू हो गई थी। शिव भक्तों ने मंदिर पहुंचकर शिवलिंग पर जल अभिषेक करके पूजा अर्चना किया। कांकेर शहर के अलावा इस बार ग्रामीण ईलाकों में भी सभी शिवालयों को खूब सजाया गया। इस बार की महाशिवरात्रि में भगवान भोलेनाथ के भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

खास बातें

- भंडारों में हजारों भक्तों ने पाया प्रसाद और स्वयं को किया धन्य
- पुराने बस स्टैंड से निकली शिव बारात का जगह जगह स्वागत
- शिव समिति घड़ी चौक ने भंडारा के बाद निकाली शिव बारात

कांकेर जिले के शहरी व ग्रामीण ईलाकों में सुबह से मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लग गया था, कई मंदिरों में श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए घंटो लाईन में लगना पड़ा। ऐसी मान्यता है कि आज भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह का दिन यानी की शिवरात्रि है, जिसे मनाने के लिए सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। देवों के देव महादेव भगवान शिव की आराधना के लिए मंदिर में सुबह ही भक्त पहुंचने शुरू हो गए थे। महाशिवरात्रि के मौके पर कांकेर जिला में शहर एवं ग्रामीण ईलाकों में शिवलिंग पर जल के साथ-साथ दूध, दही, पान, धतूरा, भांग, फल, गंगाजल, काली मिर्च, काले तिल चढ़ाए गए वहीं

मंदिर के पुजारियों ने बताया कि पहले सभी श्रद्धालु शिवलिंग पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना करते हैं, उसके बाद पास में बैठे नंदी महाराज के कान में अपनी मनोकामना बताते हैं। श्रद्धालुओं का कहना था कि शिवरात्रि के दिन भगवान शिव के लिए व्रत रखते हैं। भगवान शिव में उनकी काफी श्रद्धा है क्योंकि देवों के देव महादेव हर किसी पर अपनी कृपा बनाकर रखते हैं। सरंगपाल में प्राचीन शिव मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए लाईन पर लगना पड़ा।

दो शिवरात्रियों का है महत्व

शिव मंदिरों के पूजारियों ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव और पार्वती माता का विवाह हुआ था। इस त्योहार को मनाने के लिए सुबह से ही भक्तों का तांता मंदिर में लगा हुआ है और भक्त अपनी मनोकामना मांग रहे हैं। आज के दिन भक्त पंचामृत से भगवान का जलाभिषेक करते हैं और भोले की भक्ति में झूम उठते हैं, वैसे तो प्रत्येक महीने में शिवरात्रि आती है, लेकिन विशेष तौर पर दो शिवरात्रियों का ज्यादा महत्व होता है एक शिवरात्रि सावन के महीने में आती है वहीं दूसरी शिवरात्रि फाल्गुन महीने में आती है।

घड़ी चौक समिति ने निकाली बारात

घडी चौक शिव समिति ने दिन में महाशिवरात्रि पर भंडारा का आयोजन किया और भंडारा समाप्त होने के उपरांत सायं लगभग 6 बजे के आसपास सिविल लाईन से शिव बारात निकली जो शहर के मुख्य मार्ग होते हुए भ्रमण किया। घड़ी चौक शिव समिति के द्वारा निकली शिव बारात का माहौल भक्तिमय रहा। डीजे और ढोल ने माहौल को भक्तिमय बना दिया।

सुबह से प्रारंभ रुद्राभिषेक, शाम को हुई आरती

ऊपर नीचे रोड के शिव मंदिर के कपाट सुबह पांच बजे खुल गए थे। सुबह प्रातः 7 बजे भगवान भोलेनाथ का रूद्राभिषेक किया गया और सुबह 9 बजे हवन व पूजन हुआ। हवन पूजन के समाप्ति के बाद दोपहर 12 बजे हलवा खिचड़ी प्रसाद का वितरण, दोपहर 1 बजे मानस मंडलियों द्वारा रामायण पाठ किया गया। संध्या सात 7 बजे महाआरती हुई। इसके उपरांत संध्या साढ़े 7 बजे शिवजी की बारात घड़ी चौक से पुराने बस स्टैंड होकर वापिस शिव मंदिर पहुँची और शिव विवाह पश्चात महाआरती हुई। इस अवसर पर अरूण कौशिक, अविनाश नेगी, नरेश परिहार, धर्मेंद्र चतुर्वेदी, यजुर्वेद सिंह ठाकुर, हेमंत चंद्रौल, देवेन्द्र कुशवाह, सुरेंद्र गुप्ता, पंकज कौशिक, विजयलक्ष्मी कौशिक, सरिता यादव, छाया कौशिक, अनिता सोनी, मोना साहू, प्रीति मिश्रा और साथीगण शामिल रहे।

मानसगान कार्यक्रम में मानस को आत्मसात करने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरहरपुर

विकासखंड नरहरपुर अंतर्गत रिसेवाडा में त्रिदिवसीय मानसगान का समापन में मुख्य अतिथि की आसंदी से जितेंद्र पटेल ने कहा कि सभी लोगों से मेरी यही आपेक्षा है कि भगवान के प्रति श्रद्धा भक्ति रखते हुए रामायण में दिए गए मार्ग पर चलने की बात कही। गांव में हनुमान मंदिर निर्माण के लिए 1 लाख रूपएं देने की घोषणा किया।

रिसेवाड़ा में त्रिस्तरीय दिवसीय मानसगान का यह छठवाँ वर्ष है और विभिन्न स्थानों से पहुँची मानस मंडलियों ने तीन दिनों तक रामायण पाठ किया। अंतिम दिवस सहयोग समाज सेवी संस्था के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी ने कहा कि रामायण से ही जीवन जीने की राह मिलती है और गाँव को नशा मुक्त करने की बात रखी। नशा से आज की युवा पीढ़ी गिरफ्त में पड़ रही है, जिससे नुकसान हो रहा है।

इस अवसर पर चार बुर्जुग माताओं को शाल श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। मानस संघ के उपाध्यक्ष सुरेश पटेल ने कहा कि सभी के प्रयास से मानसगान हो पाता है और यह गाँव के सौभाग्य के लिए बड़ी बात है। समापन के अवसर पर जनसहयोग सेवी संस्था के सरंक्षक संरक्षक राजकुमार फब्यानी, जितेंद्र प्रताप सिंह देव, प्रवीण गुप्ता, जगन्नाथ तिवारी और गांव के लोग उपस्थित रहे।

प्रथम पंचायत-जिला पंचायत सम्मेलन केलिए आज जारी की जाएगी अधिसूचना

कांकेर। पंचायत से लेकर जिला पंचायत के लिए प्रथम सम्मेलन की अधिसूचना आज 27 फरवरी को जारी होगी, उसके उपरांत उपसरपंच, जनपद अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के निर्वाचन के लिए भी कार्यक्रम जारी कर दिया गया है।

- जिला पंचायत के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के लिए 5 मार्च को होगा चुनाव
- जनपद पंचायत के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के लिए 4 मार्च को होगा चुनाव
- ग्राम पंचायत के सरपंच के लिए 8 मार्च को होगा चुनावा

जानकारी के अनुसार जिला पंचायत के लिए सभी सदस्य को प्रथम सम्मेलन की सूचना 27 फरवरी को जारी करेंगे। इसके उपरांत 5 मार्च को जिला पंचायत के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चुनाव हो जाने के उपरांत 10 मार्च को विशेष सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्यों को शपथ दिलाया जाएगा। इसके बाद से जिला पंचायत की नई टीम कार्य करना प्रारंभ कर देगी। इसके अलावा जिले में सात जनपद पंचायत है। सातों जनपद पंचायत के सभी सदस्य को प्रथम सम्मेलन की जानकारी आज 27 फरवरी को जारी किया जाएगा। इसके उपरांत 4 मार्च को जनपद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चुनाव हो जाने के उपरांत 7 मार्च को विशेष सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ▶▶| शेष पेज 12 पर

बस्तर की जनजातीय कला व संस्कृति को पुनर्जीवित करने पंडुल का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

- मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कलेक्टर-एसपी को दिए तैयारी करने के निर्देश

प्रदेश सरकार द्वारा बस्तर की विशिष्ट जनजातीय कला एवं संस्कृति को पुनर्जीवित करने तथा समुचित सम्मान दिलाने के उद्देश्य से आगामी मार्च में बस्तर पंडुम उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस परिप्रेक्ष्य में मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने मंगलवार शाम को वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए बस्तर के कमिश्नर-आईजी सहित सातों जिले के कलेक्टर एवं एसपी को आवश्यक तैयारी एवं व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान प्रमुख सचिव अनुसूचित जाति एवं आदिम जाति विकास विभाग सोनमणि बोरा, सचिव संस्कृति विभाग सहित राज्य शासन के वरिष्ठ उच्चाधिकारी मौजूद रहे। वीडियो कांफ्रेंसिंग में संस्कृति विभाग के सचिव ने बताया कि बस्तर के जनजातीय समुदाय के लोगों विशेषकर युवाओं के मध्य समरसता और एकता स्थापित करने की इस अनूठी पहल से बस्तर की जनता में विश्वास,शान्ति और विकास को बढ़ावा मिलेगा। बस्तर पंडुम का आयोजन ब्लॉक, जिला और संभाग स्तर पर किया जाएगा, जिसमें जनजातीय नृत्य, गीत, नाट्य सहित जनजातीय वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन, जनजातीय वेशभूषा एवं आभूषण का प्रदर्शन, जनजातीय कला एवं गोदना का प्रदर्शन तथा जनजातीय व्यंजन एवं पेय पदार्थों का प्रदर्शन विधाओं को शामिल किया गया है। इसके साथ ही केवल संभाग स्तर आयोजन में जनजातीय रीति-रिवाज एवं तीज-त्यौहार पर आधारित प्रदर्शनी को समाहित किया गया है। ब्लॉक स्तर के बस्तर पंडुम में सभी कलाकारों एवं प्रतिभागियों को ओपन एंट्री दी जाएगी। इसके बाद चयनित दल एवं प्रतिभागी ▶▶| शेष पेज 12 पर

ग्रहों की ऐसी परेड 2040 में फिर देखी जा सकेगी

28 को होगी अनोखी खगोलीय घटना सात ग्रहों के महायोग का नजारा खुली आंखों से करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

- सभी ग्रह सूरज के चारों ओर अलग-अलग घेरे में चक्कर लगाते हैं, लेकिन ग्रहों की कक्षाएं अलग होती हैं

अतंरिक्ष में अक्सर अद्भुत खगोलीय घटनाएं देखने को मिलती हैं। खगोलीय घटनाओं में दिलचस्पी रखने वालों के लिए आने वाला दिन बेहद खास होने वाला है। दरअसल सात ग्रह एक लाइन में नजर आएंगे। इस दौरान सात ग्रह यानी शनि, बुध, नेपच्यून, शुक्र, अरुण, बृहस्पति और मंगल सभी ग्रह एक साथ एक सीधी रेखा में दिखाई देंगे। वैज्ञानिकों ने होने वाली इस खगोलीय घटना को दुर्लभ ग्रह संयोग बताया है और यह घटना 28 फरवरी को देखने को मिलेगी। खगोलीय घटनाओं में दिलचस्पी में रखने वालों और आम लोगों के लिए यह एक अद्भुत घटना होगी। यह इसलिए भी खास है, क्योंकि सात ग्रह एक साथ दिखाई देना बेहद कम होता है। आमतौर पर कुछ ग्रह एक ही समय में सूर्य के एक ही तरफ होते हैं, लेकिन सभी ग्रहों का एक साथ एक सीध में आना बहुत कम होता है। कुछ ग्रहों का एक समय में एक ही लाइन में होना असामान्य बात नहीं है, लेकिन जब सभी ग्रह एक सीध में आएंगे तो यह घटना जरूर दुर्लभ है। इस अद्भुत खगोलीय घटना को प्लैनेटरी अलाइनमेंट कहा जाता है। 28 फरवरी 2025 को सौर मंडल के सभी सात ग्रह एक साथ रात में दिखाई देंगे। सभी ग्रह सूरज के चारों ओर अलग-अलग घेरे में चक्कर लगाते हैं, लेकिन ग्रहों की कक्षाएं अलग होती है, जिसकी वजह से एक सीधी रेखा में नहीं दिखाई देते हैं। हालांकि, जब पृथ्वी समेत दूसरे ग्रह सूर्य के एक तरफ आ जाते हैं, तो आसमान में वह एक सीधी रेखा में नजर आते हैं।

15 साल तक नहीं दिखेगा यह दुर्लभ नजारा

जनवरी महीने से ही यह घटना चल रही है, जो 8 मार्च तक चलेगी। हालांकि, 28 फरवरी को सभी सात ग्रह एक साथ दिखाई देंगे। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह घटना काफी दुर्लभ है और फिर 15 साल तक नहीं दिखाई देगी। इसके बाद ऐसी ग्रहों की परेड साल 2040 में ही देखी जा सकती है।

नंगी आंखों से देखा जा सकेगा नजारा

विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रहों की परेड को देखने के लिए रोशनी से दूर किसी खुले मैदान में जाना अच्छा होगा। अगर मौसम साफ रहा तो यूरेनस और नेपच्यून को छोड़कर सभी ग्रहों को नंगी आंखों से देखा जा सकता है। हालांकि, दूरबीन से यूरेनस और नेपच्यून को देखने की जरूरत होगी। विशेषज्ञों के मुताबिक, पूर्व में मंगल, दक्षिण-पूर्व में बृहस्पति और यूरेनस, तो शुक्र, नेपच्यून और शनि पश्चिम में नजर आएंगे।

निक्षय निरामया कार्यक्रम में 94 मरीजों की हुई जांच

कांकेर। टीबी मुक्त भारत बनाने के संकल्प को पूर्ण करने के लिए चल रहे निक्षय निरामया कार्यक्रम के तहत चारामा विकासखंड के सेक्शन लखनपुरी के अंतर्गत ग्राम लखनपुरी और पिपरौद के 94 ग्रामीणों का एक्सरे व ट्रू नॉट जांच कर उन्हें उचित स्वास्थ्य की जानकारी सीएमओ डॉ. महेश सांडिया के निर्देशन और चारामा बीएमओ डॉ. लखन जुर्री के मार्गदर्शन में दिया गया। इस कार्य में क्षेत्र के ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक सुनील सोनवानी, ऋषि साहू, एएनएम दुलेश्वरी तारम, मितानिन कुंती उसेंडी और भानुमती मंडावी के सहयोग से हुआ। जनमानस से अपील किया है कि आप सभी की भागीदारी से ही देश को टीबी मुक्त बनाने का संकल्प पूर्ण होगा। इसलिए अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य कर्मियों के कहने पर उनका सहयोग कर जाँच जरूर कराएं।

पाठक सूचना

कांकेर जिले में हरिभूमि समाचार पत्र के स्थान पर कोई अन्य अखबार मिल रहा हो। एवं समाचार पत्र की प्रतियां, विज्ञापन एवं खबरों के लिए संपर्क करें

7000955574, 9098324969

खबर संक्षेप

सामुदायिक वन संसाधन अधिकार की दी जानकारी

कांकेर। विकासखंड कांकेर के ग्राम कुलगांव में सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पर एक दिवसीय कार्यशाला रखा गया। कार्यशाला में बताया गया कि सामुदायिक वन संसाधन अधिकार दावा प्रक्रिया प्रारम्भ करने, विभागों को, ग्रामो को, समितियों को सूचना एवं सीमावर्ती ग्रामो से सहमति, अनापत्ति प्रक्रिया पर गांव वालो के साथ विशेष चर्चा किया गया। कार्यशाला में गांव से राम सिंह पदमाकर, सुकदेव मंडावी, कृष्णा यादव, चरण सिंह कोरेटी, जगतु कावड़े, श्रीमती चिंता कोरेटी, आशो बाई एवं ग्रामीण उपस्थितत रहे।

जनपद सदस्य का किया कलाकारों ने स्वागत

दुर्गूकोंदल। विकासखंड दुर्गूकोंदल के अंतर्गत जिले के अंतिम छोर ग्राम लोहत्तर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर लोहत्तर के कलाकारों ने जनपद सदस्य नवनिर्वाचित जनपद सदस्य विकास राजु नायक को श्रीफल, मंत्र, चादर और श्रीराम की छायाचित्र प्रदान कर सम्मान किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य मानस संघठन के जिला उपाध्यक्ष गौतम देहारी, पोस्ट मास्टर रविशंकर कश्यप, दिनेश कचलाम, नरेश दीवान, टिकेश्वर बढ़ाई, विनोद उइके, वासुदेव औरसा, लोचन मंडावी, प्रकाश दीवान और सहयोगी राहुल जाम्बुरकर शामिल रहे।

युवक ने नशे में लगा ली फांसी, हुई मौत

कांकेर। भानुप्रतापपुर थानांतर्गत घोठा निवासी 32 वर्षीय मनीराम कोमरा ने कोठार लाड़ी में 25 फरवरी को फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पटेलपारा घोठा निवासी सामसाय कोमरा ने पुलिस को बताया कि मृतक द्वारा शराब के नशे में अज्ञात कारणो के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

वनपाल की मौत पर मर्ग कायम

कांकेर। चारामा थानांतर्गत चारामा अस्पताल में ईलाज के लिए लाए व्यक्ति की मौत हो गई। 18 जनवरी को डोंगरकट्आ के जंगल में ड्यूटी के दौरान विन विभाग में वनपाल के पद पर पदस्थ 57 वर्षीय नारायण यादव के ऊपर भालू ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया था। स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद रूटीन ईलाज चल रहा था। स्वास्थ्य खराब होने के कारण चारामा के अस्पताल में लाए थे, जहां चिकित्सक ने उसकी मौत होने की पुष्टि किया। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

युवती ने लगाई फांसी जांच में जुटी पुलिस

कांकेर। थाना कांकेर अंतर्गत पुसवाड़ा निवासी 20 वर्षीय सुभाषिनी ने 25 फरवरी को फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पुसवाड़ा निवासी शिवप्रसाद मरकाम ने पुलिस को बताया कि मृतिका ने अज्ञात कारणो के चलते घर के कमरा में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

जहर खाए युवक की इलाज के दौरान मौत

कांकेर। पखांजुर थानांतर्गत सिविल अस्पताल पखांजुर में ईलाज के दौरान 18 वर्षीय संजीत उसेंडी का 25 फरवरी को मौत हो गया। अस्पताल के वार्ड बॉय ने पुलिस को बताया की मृतक ने जहर खा ▶▶| शेष पेज 12 पर

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, एक गंभीर

जगदलपुर। कोड़ेनार थाना क्षेत्र के तिरथुम मुख्य मार्ग में मंगलवार देर शाम हुए सड़क हादसे में दो बाइक के चालकों की मौत हो गई। वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसका उपचार अस्पताल में जारी है। हादसा तब हुआ जब एक बाइक चालक अपने मित्र के साथ जगदलपुर से बास्तानार की ओर जा रहा था जबकि दूसरा बास्तानार से जगदलपुर की ओर आ रहा था। इसी दौरान दोनों बाइक में भिड़न्त हो गई। जानकारी के मुताबिक कोड़ेनार थाना क्षेत्र के ग्राम तिरथुम के पास मंगलवार की देर शाम को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में जहां दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई वहीं एक घायल को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस के मुताबिक जगदलपुर से एक बाइक से अमित देवनाथ व उसका मित्र आ रहा था। इसी दौरान दोनों बाईक की आमने सामने से टक्कर हो गई। हादसे में किरंदुल निवासी अमित देवनाथ की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पीछे बैठा उसका दोस्त घायल हो गया। वहीं दूसरी बाइक में सवार चालक मिलिंद कुमार ने भी दम तोड़ दिया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल को अस्पताल भिजवाया जबकि मृतकों के शव को पीएम के लिए मेकाज भिजवाया गया। पुलिस ने हादसे में मृत परिजनों को घटना की जानकारी दी जिसके बाद देर रात दोनों के परिजन डिमरापाल मेडिकल पहुंचे। बताया जा रहा है कि किरंदुल निवासी अमित देवनाथ अपने घर का इकलौता बेटा था। वहीं अमित महाराष्ट्र में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था तथा कुछ दिन पहले छुट्टी में अपने घर किरंदुल आया हुआ था।

कोंटा जनपद में इस बार एक को छोड़ सभी नए चेहरे

कोंटा। जनपद पंचायत कोंटा में इस बार एक को छोड़ सभी नए चेहरों को देखने मिलेगा। जीत हासिल कर बीजेपी, कांग्रेस, सीपीआई के 8, 6, 5 के विजय आंकड़ों में इस पुराने चेहरे के रूप में पूर्व उपाध्यक्ष रहे माड़वी देवा को छोड़कर सभी नए चेहरे होंगे।
ज्ञात हो कि 19 जनपद सदस्यों का यह जनपद पंचायत कोंटा में इस बार भाजपा के दबदबा के साथ महिला अध्यक्ष को निर्वाचन करने में गठबंधन के सहारा लेना पड़ेगा। क्षेत्र क्रमांक 1 गोंदपल्ली से भाजपा के पूर्व जिला पंचायत सदस्य रही जानकी कवासी इस बार जपं सदस्य निर्वाचित हुई है। वहीं क्रमांक 2 जगरगुंडा से दीपक कोसमा, क्रमांक 3 मिलमपल्ली से कुसुमलता कवासी, क्रमांक 4 एलमपल्ली से तेलाम हिड़मे, क्रमांक 5 चिंतलनार से आरूषी रवा, क्रमांक 6 चिंतागुफा से माड़वी मासे, क्रमांक 7 कांकेरलंका से रीना सोड़ी, क्रमांक 8 पोलमपल्ली से मड़कम भीमा, क्रमांक 9 मिसमा से सोमनाथ कवासी, क्रमांक 10 नागलगुण्डा से माड़वी देवा, क्रमांक 11 आरगट्टा से रीना कट्टम, क्रमांक 12 मराईगुड़ा राजस्व से कुर्मी जया, क्रमांक 13 भेज्जी से सोनी कवासी, क्रमांक 14 बुर्कलंका से माड़वी हिड़मा, क्रमांक 15 पालाचलमा से कड़ती सम्मका, क्रमांक 16 एर्राबोर से सोयम बदरा, क्रमांक 17 से गोलापल्ली से रामदेवी हपका, क्रमांक 18 बंडा से मुचाकी बुधरा एवं क्रमांक 19 इंजरम से सविता पण्डा चुनाव जीत कर जनपद पंचायत कोंटा पहुंचे हैं। इन 19 जपं सदस्य में 12 महिला जपं सदस्य सहित 7 पुरूष जनपद सदस्य जनपद पंचायत कोंटा होंगे।

पर्व: श्रद्धालुओं ने दूध, दही, जल से किया अभिषेक, बेलपत्र, धतुरा सहित अन्य सामग्री की अर्पित

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़ा भक्ति का सैलाब, गूंजा ओम नमः शिवाय

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर जिलेभर के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। पूरे क्षेत्र में शिवरात्रि को लेकर जबरदस्त उल्लास का माहौल रहा, और विभिन्न मंदिरों में भव्य मेलों का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की भारी भागीदारी देखने को मिली।

महाशिवरात्रि पर जिले के प्रमुख मंदिरों, कोपबेड़ा शिव मंदिर, कोकोड़ी शिव मंदिर, मर्दापाल शिव मंदिर, माकड़ी शिवधाम , शामपुर बडगांव शिव मंदिर सहित कई अन्य स्थानों पर भोर से ही भक्तों की कतारें लग गईं। श्रद्धालु दूध, जल, बेलपत्र, धतूरा, भांग और फल–फूल चढ़ाकर भगवान भोलेनाथ की आराधना में लीन दिखे। मंदिरों में दिनभर रुद्राभिषेक, महाआरती और भजन–कीर्तन का आयोजन हुआ। जिसमें श्रद्धालु हर–हर महादेव के जयघोष के साथ शामिल हुए। महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिरों और मेलों में भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पुलिस बल तैनात रहा और यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए। नगर पालिका द्वारा मंदिर परिसरों और मेलों की साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा गया। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। लोग भगवान शिव की भक्ति में लीन होकर मंदिरों में घंटों तक पूजा–अर्चना करते रहे। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से सुख–समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की। महाशिवरात्रि पर्व पर कोंडागांव जिले में शिवभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। श्रद्धा, आस्था और भक्ति के रंग में रंगे इस पावन पर्व ने पूरे जिले को शिवमय बना दिया।

शिवरात्रि मेले में रही जबरदस्त भीड़

शिव मंदिरों के प्रांगण में लगे मेलों ने महाशिवरात्रि के उत्सव को और भी भव्य बना दिया। मेले में झूले, खाने–पीने की दुकानें और मनोरंजन के विभिन्न साधन लोगों को आकर्षित करते रहे। स्थानीय हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजनों की दुकानों पर भी खूब चहल–पहल रही। मेले में बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग उमड़े और शिवभक्ति के इस महोत्सव का आनंद लिया।

रात्रि जागरण और भजन संध्या का आयोजन – रात्रि में विभिन्न मंदिरों में भजन संध्या और जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भजन गायकों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। रात्रि 12 बजे भगवान शिव की महाआरती के साथ विशेष पूजा–अर्चना संपन्न हुई। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

स्वयंभू शिवलिंग के दर्शन के लिए लगी रही श्रद्धालुओं की लंबी- लंबी कतारें

फरसगांव। ब्लॉक के अंतर्गत बड़ेडोंगर से अंदरूनी क्षेत्र ग्राम पंचायत पावड़ा के शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर भक्तों की भीड़ उमड़ रही। दूर दराज से आए भक्त भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर जलाभिषेक करने पहुंचे। इस दौरान मेले का भी आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु पूजा अर्चना पश्चात मेला का आनंद लिया।

उल्लेखनीय है कि कोंडागांव जिला अंतर्गत विकास खंड फरसगांव के ग्राम बड़े डोंगर से महज़ 12 किलोमीटर दूर ग्राम पावड़ा स्थित है। ग्राम पावड़ा से होकर बहने वाली बारदा नदी के बीच टापू पर स्वयंभू शिवलिंग स्थित है। प्रतिदिन पूजा अर्चना के साथ प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के अवसर पर विशाल मेला लगता है। पुरातत्वविदों के मुताबिक ग्राम पावड़ा में स्थित शिव मंदिर का रामायण काल से उल्लेख मिलता है। नदी के बीच एक टापू पर भगवान भोलेनाथ का शिवलिंग सदियों से स्थित है। मंदिर को लेकर किदवंती है कि रामायण काल में खर-दूषण नामक राक्षस इस क्षेत्र में राज्य करता था, जो शिवलिंग की पूजा- अर्चना कर आराधना करता था। मंदिर परिसर में गौमुख कुंड सहित पांच अलग-अलग कुंड स्थित है, जहां से जल लेकर श्रद्धालु शिवलिंग पर चढ़ाते हैं, सच्चे मन से आराधना करने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी होती है।

लोगों की मनोकामना पूरी होती हैं: पुजारी तुलाराम

मनोकामना लेकर आने वाले श्रद्धालुओं की भगवान भोलेनाथ इच्छाएं पूरी करते हैं। मंदिर में निःसंतान दंपत्ति भी मन्नत मांगने आते हैं जो कुंड से पानी लाकर भगवान भोलेनाथ को बेलपत्र, जल, शहद, दूध अर्पित करते हैं।

लोगों की आस्था का केंद्र है: श्रद्धालु बिसरूराम

सावन महीने के साथ-साथ महा शिवरात्रि के अवसर पर भी आसपास व दूरदराज से भक्तजन मंदिर दर्शन को आते हैं। मंदिर में आने से मनोकामना पूरी होने के साथ ही नदी के बीच में होने से मन को अलग ही सुकून मिलता है। इस शिव मंदिर के साथ आसपास के पूरे ग्रामीणों की आस्था जुड़ी है।

शिव मंदिरों में दिनभर रहा भक्तिमय माहौल

फरसगांव। महाशिवरात्रि पर बुधवार को क्षेत्र के सभी शिवालयों में श्रद्धालुओं द्वारा भक्तिभाव से पूजा अर्चना की गई। शिवालयों में हर-हर महादेव, बोलबम की अनुगूंज के साथ श्रद्धालुओं की विशेष कर महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी। बुधवार को सुबह से ही क्षेत्र के श्रद्घालुओं का पूजा-अर्चना के लिए घरों से निकलना शुरू हो गया था जो शाम तक शिव मंदिरों में भोलेनाथ की पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। जगह-जगह भंडारा सहित विविध धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से हिस्सा लिया।

क्षेत्र में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर फरसगांव नगर के थाना के पास स्थित शिवालय, तालाब के पास स्थित शिवालय, बिजली कार्यालय परिसर में स्थित शिवालय , नेशनल हाईवे 30 पर स्थित भैरव मोड़ स्थित शिवमंदिर, सोनाबेड़ा के घूमर नदी किनारे स्थित शिवालय सहित आसपास के क्षेत्र में सुबह से ही भक्ति और उल्लास का वातावरण बना हुआ था। इस दौरान शिवालय में श्रद्धालुओं ने जल, दूध, शहद, घी, बेलपत्र, पुष्प से अभिषेक कर भक्तिभाव से भोलेनाथ का हवन पूजा की।

ब्राह्मण द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण कर भक्ति भाव से शिव आराधना की गई। इस अवसर पर सभी मंदिरों में भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया था। भंडारे में भक्तों को खिचड़ी, खीर पूड़ी, सब्जी का प्रसाद वितरण किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। शिव मंदिरों में दिनभर भजन-कीर्तन तथा भोलेनाथ की भक्ति गीतों से माहौल उत्सवपूर्ण बना रहा। वही सुरक्षा और शांति व्यवस्था के लिए पुलिस के जवान तैनात रहे।

अधिकारियों ने समितियों पर फोड़ा ठिकरा और बताया जिम्मेदार

खुले आसमान के नीचे हजारों क्विंटल धान पड़ा, जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

दंतेवाड़ा जिले के नक्सल प्रभावित अरनपुर धान खरीदी केन्द्र में दो माह बाद भी 10 हजार क्विंटल से अधिक धान खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है। जिम्मेदार अधिकारी व खरीदी केन्द्र समितियों ने धान को ढकने का भी इंतजाम नहीं किया है।

- नक्सल प्रभावित अरनपुर खरीदी केन्द्र से 10 हजार क्विंटल धान का उठाव 2 माह बाद भी नहीं

बारिश कि स्थिति में अन्नदाताओं की मेहनत पर पानी फिरना लाजमी है। वहीं अधिकारी एक दूसरे पर डाल जिम्मेदारी डालते हुए पल्ला झाड़ते नजर आ रहे है।

जानकारी के मुताबिक अरनपुर धान खरीदी केंद्र जो अनाज रखा है उसे ढंकने तक की व्यवस्था नहीं है। बारिश होने पर धान खराब हो सकता है लेकिन जिम्मेदारी लेने को कोई भी तैयार नहीं।गौरतलब है कि विष्णुदेव साय सरकार ने धान खरीदी की शुरूआत 14 नवंबर 2024 से की थी. धान खरीदी की अंतिम तारीख 31 जनवरी 2025 थी। इस अवधि में प्रदेश भर के किसानों से रिकार्ड धान की खरीदी सरकार ने की। दंतेवाड़ा में भी किसानों ने समितियों के माध्यम से धान बेचा अन्नदाताओं से खरीदी की गई धान अरनपुर खरीदी केंद्र में रखा गया है। लेकिन अभी तक यहां से धान के स्टॉक को उठाया नहीं गया है हजारों क्विंटल धान आज भी खुले आसमान के नीचे पड़ा है अगर बारिश होती है तो पूरा का पूरा धान खराब हो सकता है धान के बोरों को ढकने के लिए तिरपाल और प्लास्टिक तक की व्यवस्था नहीं कि गई है।

10310 क्विंटल धान

अब भी खुले में

जानकारी के मुताबिक अरनपुर धान खरीदी केन्द्र में 15 हजार क्विंटल धान की खरीदी की गई। धान खरीदी केंद्र के पास में ही बालक आश्रम भवन है, वहां पर भी धान के बोरों की रखा गया है। धान खरीदी केन्द्र के जिम्मेदार अधिकारियों ने धान के भंडारण और रख रखाव के जो नियम होते हैं उन नियमों तक का पालन नहीं किया गया है।

जिम्मेदारी लेने को कोई तैयार नहीं

जिला खाद्य अधिकारी कीर्ति कौशिक व जिला विपणन अधिकारी एस शाडिंल्य और न ही धान खरीदी केन्द्र समिति ने खुले में रखे धान को ढकने तक की व्यवस्था नहीं की। बताया जा रहा है कि अरनपुर में 16,976 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। डीएमओ का कहना है कि हमने 14220 क्विंटल धान का टीओ जारी कर दिया है। इसमें से 3910 क्विंटल धान का उठाव हो चुका है और 10310 क्विंटल धान अब भी संग्रहण केंद्र में रखा हुआ है। उन्होंने कहा कि धान को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी हमारी नहीं बल्कि खरीदी करने वाली समिति की होती है।

स्वास्थ्य विभाग ने जिले में फाइलेरिया की दवा खिलाने गठित की 850 टीम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम 27 फरवरी से 13 मार्च तक बस्तर जिले के चुने हुए तीन विकासखंड बस्तर, तोकापाल और बकावंड में समस्त स्कूल कॉलेज और कार्यालय में फाइलेरिया रोग से बचाव के लिए दवाई का सेवन करवाया जाएगा। इसमें 27 फरवरी से 2 मार्च तक सभी ग्राम में बूथ लगाकर और 3 मार्च से 20 मार्च तक घर घर भ्रमण कर दवाई का सेवन करवाया जाएगा। इसमें छूटी हुई जनसंख्या को माप अप राउंड में 11 मार्च से 13 मार्च तक दवा का सेवन करवाया जाएगा। इसमें लगभग साढ़े चार लाख की जनसंख्या इन तीन ब्लॉक में कवर की जाएगी, इसके लिए 850 टीमों का गठन कर लिया गया है। कही पर भी दवा के किसी प्रकार के विपरीत प्रभाव होने पर क्विक रिस्पांड टीम सेक्टर और सीएचसी स्तर पर तैयार रहेगी। 27 फरवरी से 13 मार्च के मध्य सीएचसी, पीएचसी तथा मेडिकल कॉलेज में भी ओपीडी के पास बूथ लगाकर दवाई खिलाने की सुविधा प्रदत्त की जाएगी। उक्त बातें सीएमएचओ डॉ. संजय बसाक ने कही।

- बूथ लगाकर दवाई खिलाने की सुविधा
- राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम आज

दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे व गर्भवती को नहीं देंगे दवा

जिले के नोडल अधिकारी ने बताया कि इस दवाई का सेवन 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चे और गर्भवती माता के साथ गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को नहीं दिया जाना है। इस क्षेत्र की जनता इसमें अपना सहयोग प्रदान करे ताकि हम सभी मिलकर फाइलेरिया रोग को बस्तर से दूर कर सके।

हथियार लहराकर गुण्डागर्दी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। धारदार हथियार लहराकर गुंडागर्दी करने वाले आरोपी को बोधघाट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला थाना क्षेत्र के लामनी पार्क हनुमान मंदिर के करीब का है, जहां से आरोपी को हथियार समेत दबोचा गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी शलभ कुमार सिन्हा व एएसपी माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन व सीएसपी आकाश श्रीमाल के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट लीलाधर राठौर के नेतृत्व में टीम को कार्रवाई के लिए रवाना किया गया था। टीम द्वारा मौके से आरोपी सुखबीर यादव 38 वर्ष निवासी सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड को हिरासत में लिया गया। मामले कि रिपोर्ट दर्ज कराते हुए प्रार्थी प्रकाश यादव ने बताया कि मंगलवार दोपहर उसका बेटा सुखबीर यादव शराब पीकर आया। प्रार्थी को हनुमान मंदिर के पास जाकर अपनी दूसरी पत्नी लाने के संबंध में बात किया। पिता द्वारा मना करने पर गालीगलौज देते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट किया। मंदिर में रखे धारदार हथियार बड़ी टांगिया को दिखा कर लहराते हुए कहने लगा बाहर निकल तुझे जान से मार दूंगा। प्रार्थी की रिपोर्ट पर तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ धारा 296, 115.2, 351.2 बीएनए तथा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर बुधवार को न्यायालय में पेश किया गया।

सेंटर में पर्यटकों का स्थानीय वैद्यराज से कराएंगे बीमारी का उपचार

बस्तर के पेदावाड़ा व मांझीपाल में बनेगा प्रदेश का पहला पारम्परिक हीलिंग सेंटर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिले के कांगेरघाटी राष्ट्रीय उद्यान के सटे ग्राम पेदावाड़ा एवं मांझीपाल में पर्यटकों के लिए प्रदेश का पहला ट्रेडिशनल याने पारम्परिक हीलिंग सेंटर बनेगा। इसके लिए वन विभाग जगदलपुर वृत्त के सीसीएफ एवं राष्टीय उद्यान के निदेशक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस सेंटर में पर्यटकों को 8-10 दिन का पैकेज रहेगा। उस दौरान पर्यटकों का मोबाइल कमरे में रखा जाएगा। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र के स्थानीय वैद्यराज से पर्यटकों का बीपी, शुगर जांच की जाएगी और उनका उपचार किया जाएगा।

- आदिवासी कल्चर में पर्यटकों को बस्तर के लोकल व्यजंन परोसे जाएंगे

ट्रेडिशनल हीलिंग सेंटर में विभिन्न गतिविधियां होगी, जिनमें मानसिक तनाव दूर होने के साथ शरीर को तंदुरूस्त रखने में भी मदद मिलेगी। इसमें मानव इंद्रियों की संवेदना को प्रकृति से जोड़कर मानसिक एवं शारीरिक समस्याओं का उपचार होगा है, ताकि मानसिक शांति की की अनुभूति हो सके। पारंपरिक हीलिंग सेंटर में आयुर्वेद का इस्तेमाल किया जाएगा। ये सेंटर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए परामर्श, चिकित्सा देंगे। बस्तर घूमने आने वाले पर्यटक पूरे आदिवासी कल्चर को जी सके और यहां की खूबसूरत वॉटर फाल्स और अन्य पर्यटन स्थलों की खूबसूरती निहारने के साथ ही आदिवासी कल्चर का भी लुत्फ उठा सकें। पूरी तरह से आदिवासी कल्चर में पर्यटकों को बस्तर के लोकल व्यजंन परोसे जाएंगे। साथ ही पर्यटकों को पारंपरिक आदिवासी नृत्य करने का भी मौका मिलेगा। इसके अलावा पर्यटक आदिवासी वेशभूषा पहनकर भी आदिवासियों के कल्चर को समझ सकेंगे, साथ ही दोना पत्तल में स्वादिष्ट व्यंजन का लुफ्त उठा पाएंगे।

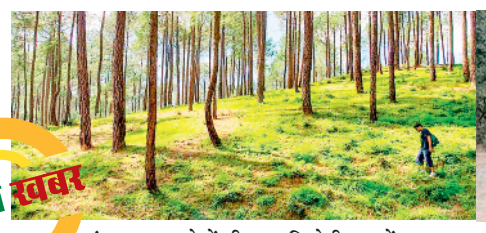

नंगे पांव चलना व वन में ध्यान

कांगेरघाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक चूड़ामणी सिंह ने बताया कि ट्रेडिशनल हीलिंग सेंटर शीघ्र बनाया जाएगा। सेंटर में नंगे पांव एवं वन में ध्यान किया जाएगा, क्योंकि वन अनुसंधान के अनुसार ठंडे इलाकों के जंगल क्षेत्र में एक खास किस्म के रासायनिक तत्व होते हैं। यहां नंगे पांव चलने पर सफेद रक्त कणिकाओं की मात्रा बढ़ती है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। प्राचीन काल से ऋषि-मुनि जंगल व पर्वतों के बीच तप व ध्यान करते रहे हैं। उसी तरह जंगल के बीच में जगह-जगह बैठने की व्यवस्था कर ध्यान लगाने की व्यवस्था की जाएगी।

हीलिंग सेंटर बनाने का प्रयास

वन विभाग जगदलपुर वृत्त के मुख्य वन संरक्षक आरसी दुग्गा ने बताया के पेदावाड़ा, मांझीपाल के जंगल में ट्रेडिशनल हीलिंग सेंटर बनाया जाएगा। सेंटर में स्थानीय वैद्यराज से पारम्परिक चिकित्सा में पोषण संबंधी परामर्श, भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना, तनाव, चिंता, दुःख और आघात को दूर करना, शरीर में संतुलन लाना, बीमारी का इलाज किया जाएगा।

पेज 11 के शेष

प्रथम पंचायत...

एवं जनपद सदस्यों को शपथ दिलाया जाएगा। इसके बाद से जनपद की नई टीम कार्य करना प्रारंभ कर देगी।
पंचायत में पहले सम्मेलन, फिर उपसरपंच का होगा चुनाव :- जिले की सभी ग्राम पंचायत के सभी पंच व सरपंच को पंचायत के प्रथम सम्मेलन की सूचना 27 फरवरी को जारी किया जाएगा। तीन मार्च को प्रथम सम्मेलन होगा, जिसमें सभी को शपथ दिलाया जाएगा। इसी दिन उपसरपंच चुनाव को लेकर पंचों को सूचना जारी करेंगे और 8 मार्च को ग्राम पंचायत उपसरपंच निर्वाचन होगा, इस दिन तय हो जाएगा कि पंचायत का उपसरपंच कौन होगा।

बस्तर की जनजातीय...

जिला स्तर और जिला स्तर से चयनित दल एवं प्रतिभागी संभाग स्तर के बस्तर पंडुम में अपनी सहभागिता निभाएंगे। बस्तर पंडुम के प्रत्येक स्तर को बस्तर में उत्सव की तरह मनाया जायेगा जिसमें समाज प्रमुखों, वरिष्ठ नागरिकों, जनप्रतिनिधियों को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। इसी तरह जिला एवं संभाग स्तर पर बड़े स्तर के कलाकारों को आमंत्रित कर कार्यक्रम प्रस्तुति का अवसर प्रदान किया जाएगा। साथ ही मेहमान कलाकारों के रूप में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के दलों को आमंत्रित किया जाएगा। बस्तर पंडुम के प्रत्येक स्तर पर विजेता दलों एवं प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

जहर खाए...

लिया था। ईलाज के लिए अस्पताल में लाया गया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

खबर संक्षेप

बड़ी जीत से जिले का होगा पुनः विकास : बिलाल

भोपालपटनम। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भाजपा ने बड़ी जीत दर्ज की है। पूर्व मंत्री महेश गागड़ा के नेतृत्व व रणनीति से भाजपा ने

भोपालपटनम ही नहीं पूरे जिले में शत-प्रतिशत सफलता हासिल की, जिससे पूरा क्षेत्र भाजपामय हो गया है। जिला महामंत्री बिलाल खान ने कहा कि महेश गागड़ा की कड़ी मेहनत, जिलाध्यक्ष घासीराम नाग, पूर्व जिलाध्यक्ष, श्रीनिवास मुदलियार, बस्तर प्रभारी जी वेंकट सहित संगठन की सुदृढ़ रणनीति और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है कि बीजापुर जिले में भाजपा का परचम लहराया है। गागड़ा ने इस विजय के लिए सभी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है और कहा कि भाजपा क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहेगी।

कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक

बीजापुर। बीजापुर जिला माओवाद प्रभावित क्षेत्र होने के बावजूद बेहतर प्रबंधन एवं सुरक्षा के पर्याप्त

व्यवस्थाओं के बीच नगरपालिका निर्वाचन एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के तीनों चरण के मतदान शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न होने पर कलेक्टर संबित मिश्रा ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में संबंधित सभी अधिकारियों को बधाई देते हुए जिले के विकास में निरंतर अपने सकारात्मक ऊर्जा का प्रयोग कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

निर्वाचन प्रक्रियाओं के तहत आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील होने के कारण से लंबित सभी विकास कार्यो को आचार संहिता समाप्त होने के पश्चात पुनः शुरू कर कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री हेमंत रमेश नदंनवार सहित जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारीगण एसडीएम डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार सीईओ जनपद पंचायत एवं सीएमओ नगरीय निकाय उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि पर अबूझमाड़ के धुर माओवाद क्षेत्र तुलार गुफा व गुमरगुंडा शिवालय, समलूर में लगा भक्तों का मेला

नगर व आसपास के शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

महाशिवरात्रि के अवसर पर नगर व आसपास के शिव मंदिरों सहित गुमरगुंडा, समलूर, मड़से, गुमड़ा व बारसूर सहित तुलार वाले बाबा के दरबार मे दिन भर महादेव भक्तों का तांता लगा रहा। गीदम ब्लॉक से लगे हुए बीजापुर जिले के अबूझमाड़ जैसे अंदरूनी क्षेत्र में स्थित तुलार गुफा अतिसंवेदनशील क्षेत्र होने के कारण श्रदालु यहां दुपहिया वाहन और पैदल ही पहुंचे। नगर से लगे गुमरगुंडा व समलूर स्थित शिव मंदिर में व गुमड़ा में स्थित डाकिया भीमाशंकर शिवालय, बत्तीसा मंदिर बारसूर में अपने आराध्य के दर्शन के लिए भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। गुमरगुंडा शिव मंदिर में मंदिर के मुख्य द्वार तक श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही है। गौरतलब हैं कि महाशिवरात्रि हिंदुओं का एक प्रमुख त्योहार है। पुराणों के अनुसार इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की शादी हुई थी। महाशिवरात्रि प्रति वर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। भगवान शिव की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए महाशिवरात्रि को बहुत खास माना गया है। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शंकर की मूर्ति या शिवलिंग को पंचामृत से स्नान कराकर लोटे से जल चढ़ाया जाता है। फिर चंदन का तिलक लगाकर, बेलपत्र, भांग, धतूरा, जायफल, कमल गट्टे, फल, मिष्ठान, मीठा पान, इत्र चढ़ाया जाता हैं। माना जाता है कि इस दिन पुजा-पाठ करने से दांपत्य जीवन में खुशहाली आती है साथ ही, अविवाहितों को मनपसंद जीवनसाथी मिलता है।

लौह नगरी में पहाड़ियों की चोटी में धूमधाम से मनाया गया महाशिवरात्रि

हरिभूमि न्यूज ⏭ किरंदुल

देवों के देव महादेव के पूजन व अनुष्ठान महाशिवरात्रि पर्व लौह नगरी किरंदुल के सभी शिवालयों में धूमधाम से मनाया गया। राघव मंदिर, रामाबूटी, गांधीनगर के शिव मंदिर, बंगाली कैंप, गाडर पुलिया के साथ सभी शिवालय में काफी भीड़ रही। पूजा में विशेष आकर्षण का केंद्र रामाबूटी और गांधी नगर शिव मंदिर रहा।

रामा बूटी शिव मंदिर बैलाडीला के लौह पहाड़ी की गोद में बना समुद्रतल से लगभग 35 सौ फिट ऊंचाई पर स्थित है। यहां सुबह 5 बजे से ही भक्तो का जमावाड़ा लगा रहा जो देर शाम तक पूजा पाठ कार्यक्रम चला। वही गांधीनगर शिव मंदिर पहाड़ियों की चोटी पर स्थित है जहां प्रकृति के गोद से निकले शिवलिंग के पूजा पाठ के लिए हजारों सीढ़ियां चढ़कर भगवान शिव के दर्शन करने जाना पड़ता हैं। गांधीनगर शिव मंदिर में सुबह 4 बजे से ही भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर पूजा पाठ प्रारंभ किया गया। सुबह से ही भक्त पूजा अर्चना शिव स्तुति शिव वंदना व आरती में शामिल हुए। मंदिरों में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया।

आर्थिक आकलन की दे जानकारी : सीसीएफ

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

दंतेवाड़ा वनमण्डल अंतर्गत मुख्य अतिथि सीसीएफ जगदलपुर वृत्त आरसी दुग्गा, कार्यक्रम अध्यक्ष डीएफओ दंतेवाड़ा जाधव सागर, एसडीओ दंतेवाड़ा, एसडीओ गीदम की उपस्थिति में काष्ठागार डिपो में

- आग से वनों की सुरक्षा एवं किसान वृक्ष मित्र योजना पर कार्यशाला

आग से वनों की सुरक्षा एवं किसान वृक्ष मित्र योजना पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान ग्रामीणों को वनों को आग से बचाने एवं किसान वृक्ष मित्र योजना के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुवात मां सरस्वती की पूजा अर्चना एवं वनों को आग से बचाने के संकल्प के साथ किया गया। कार्यशाला के दौरान विभिन्न ग्राम से आए फायर वाचकों एवं जन प्रतिनिधियों ने भी वनों को आग से बचाने अपने अपने सुझाव दिए। आग की घटनाओं में नियंत्रण के लिए सीसीएफ ने विभिन्न अधिकारी-कर्मचारियों की सराहना की। साथ ही वनों को आग से होने वाले नुकसान जैसे छोटे पौधों का जलना, विभिन्न उपयोगी फसलों को नुकसान, महुवा, हररा, बहेड़ा, चिरौंजी, आंवला, आम, चिरौंजी, तेंदूपत्ता जैसे बस्तर की जीवन रेखा कहे जाने वाले पौधों से होने वाले आर्थिक नुकसान के आकलन करने कहा। नकुलनार के उप वन क्षेत्रपाल ललित कश्यप ने उनके क्षेत्र में आग की घटनाओं पर काबू पाने का विशेष कारण से कार्यशाला को अवगत कराया। श्री कश्यप ने जंगल में आग से ग्रामीणों के फसल की गुणवत्ता खराब होना, महुवे का सही दर ना मिलने से आर्थिक हानि, पेड़ पौधों का विनाश, आने वाली पीढ़ियों के लिए समस्या के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया जिससे नकुलनार क्षेत्र में वनों को आग से बचाया जा सका।

आग से हुए नुकसान का दिया उदाहरण

सीसीएफ ने अपने उद्बोधन में आग की घटना से सबसे ज्यादा प्रभावित स्थान का जिक्र किया। जिसमे कोंडागांव एवं तोकापाल का उदाहण देते हुए बताया कि जंगल में आग की घटनाओं के चलते कोंडागांव के पहाड़ एवं जंगल पूरी तरह झुलस गए। साथ ही पहाड़ों से पेड़-पौधे खत्म होने से बारिश के दौरान पहाड़ की मिट्टी बह कर जमीन की सतह में आ गई और क्षेत्र की बहुत सारी खेत और फसल बर्बाद हो गई।

सभी अपना दायित्व निभाए

दंतेवाड़ा डीएफओ डॉक्टर जाधव सागर ने कहा कि वनों व वन्य जीवों को बचाने के लिए जंगलों को आग से बचाने की मुहिम में हर व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का पालन करना अनिवार्य है। डीएफओ ने कहा जन सहभागिता के बिना जंगलों को आग से नहीं बचाया जा सकता। साथ ही अपनी भावी पीढ़ी के लिए जंगलों को सुरक्षित रखने का आह्वान भी किया। एसडीओ गीदम वीएन नाग ने कहा कि बारिश नहीं होने से जंगलों में आर्द्रता कम हो गई है। इस कारण इस वर्ष जंगलों को बचाने के लिए बेहद सतर्कता की जरूरत है। डिप्टी रेंजर बी आर साहू ने कहा कि जंगलों को बचाने के लिए आम आदमी को आगे आना होगा। जन सहयोग के बिना किसी भी प्रकार से जंगलों को नहीं बचाया जा सकता है। कार्यशाला के दौरान बड़े पैमाने में वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी, लघु वनोपज संघ के प्रबंधक, फड़मुंशी, फायर वाचक एवं जन प्रतिनिधित्व उपस्थित रहे।

महिलाओं, पुरुषों एवं स्कूली बच्चों को दिए दैनिक उपयोग के सामान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बीजापुर जिले के अतिनक्सल प्रभावित क्षेत्र पेद्दापारा (बुर्जी) में बी 222वीं वाहिनी केरिपुबल द्वारा राकेश अग्रवाल महानिरीक्षक, छत्तीसगढ़ सेक्टर सीआरपीएफ और देवेन्द्र सिंह, उपमहानिरीक्षक, बीजापुर रेन्ज

- अतिनक्सल प्रभावित क्षेत्र पेद्दापारा में सिविक एक्शन कार्यक्रम

सीआरपीएफ के मार्गदर्शन और विजेंद्र सिंह, कमाण्डेन्ट 222 बटालियन के नेतृत्व में सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत पेद्दापारा क्षेत्र एवं अन्य आस-पास के गांव बद्देपारा, नायापारा, बुर्जी, नेनपाल, मल्लूर के जरुरतमन्द महिलाओं, पुरुषों एवं स्कूल के बच्चों को दैनिक उपयोग में लाई जाने वाली सामाग्री जैसे कम्बल, साड़ी, लूंगी, गमछा, सोलर लाईट, टेलीविजन, चप्पल एवं वर्तन में (कढ़ाई, स्टील पतीला, डेग्चा, पानी का ड्रम) कृषी यंत्र में (फावडा, गैंती, कुलाड़ी, कुदाल) एवं स्कूली बच्चों के लिये (कापी, पेन, पेन्सिल, स्कूल बैग, स्कूल युनिफार्म, फुटबाल, क्रिकेट किट, बालीबाल) इत्यादि का वितरण किया गया। इस दौरान लगभग 200 से 250 ग्रामीण एवं बच्चे शामिल हुए, जिनके लिये कैम्प परिसर में जलपान की भी व्यवस्था की गई।

इस अवसर पर 222 बटालियन केरिपुबल के कुमार ओमप्रकाश सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, विनोद कुमार सहायक कमाण्डेंट, अधिनस्थ अधिकारी एवं अन्य जवान, गंगालुर व बुर्जी के सरपंच पायल हेमला व सरिता हेमला उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विजेन्द्र सिंह कमाण्डेन्ट 222 बटालियन केरिपुबल ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के लोगों की सुरक्षा के साथ मूल-भूत आवश्यकताओं की पुर्ति हेतु सरकार के द्वारा चलाया जा रहा सिविक एक्शन कार्यक्रम के माध्यम से तथा अन्य योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को मिले।

प्लास्टिक प्रयोग को कम करने के साथ इसके वेस्ट को रिसाइकिलिंग में सहयोग जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

व्यवसायिक प्रबंध अध्ययनशाला, शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय द्वारा सोमवार को नकटी सेमरा में स्थित मटेरियल रिसाइकलिंग सेंटर का विजिट किया गया। करीब 50 प्रतिभागी विद्यार्थियों ने इस दौरान अपशिष्ट प्लास्टिक की रिसाइकलिंग प्रक्रिया देखी।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत अपशिष्ट प्रबंधन के लिए कार्य कर रही इस इकाई की प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर पी विनीता राजू ने बताया कि इस केंद्र में बस्तर संभाग से प्रति दिन करीब तीन टन वेस्ट प्लास्टिक संग्रहित किए जा रहे हैं। जिससे करीब दो टन पुर्नउपयोग हेतु ग्रेन्यूअल रूपी कच्चा माल तैयार हो रहा है। ये ग्रेनुअल फिर से प्लास्टिक के खिलौने, कुर्सी, डब्बे इत्यादि प्रोडक्ट बनाने में काम आ रहे हैं। ये ग्रेन्युअल का उपयोग रोड निर्माण में भी किया जा सकता है। अभी इस सेंटर में बने ग्रेनुअल्स को एक्सपोर्ट किया जा रहा है। इस दौरान विद्यार्थियों ने एफिलएंट ट्रीटमेंट प्लांट को भी देखा, जहां रिसाइकलिंग के दौरान निकले गंदे पानी को रियूजेबल बनाया जा रहा है। इन सारी प्रक्रिया में हिकॉन मशीन के माध्यम से कोई प्रदूषण भी नहीं हो रहा है।

विजिट का नेतृत्व कर रही विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि देवांगन के कहा कि भारत प्लास्टिक अपशिष्ट रिसाइकलिंग में बहुत पीछे है। जबकि दुनिया में सबसे अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पादन में भारत आगे हैं। हमें प्लास्टिक प्रयोग को कम करने के साथ इसके वेस्ट को रिसाइकिलिंग करने में सहयोग करना होगा। डॉ देवांगन ने बताया कि ऐसे विजिट से युवाओं को न केवल प्लास्टिक वेस्ट के रिसाईकलिंग प्रक्रिया को समझने का मौका मिलेगा बल्कि वे नए आईडिया के साथ इस क्षेत्र में उद्यमिता प्रारंभ करने को प्रेरित भी होंगे। वेस्ट टू वेल्थ की अवधारण पर प्लास्टिक वेस्ट के क्षेत्र में नए रोजगार के अवसर खुलेंगे। विवि आईआईसी गतिविधि के तहत आयोजित इस विजिट में डॉ. तुलिका शर्मा, डॉ. दिलेश जोशी, डॉ. सुषमा सिंह, श्रद्धा डोंगरे, एलिस तिर्की, नीलिमा किरण, कोमल बेंजामिन, ऐश्वर्या साव एवं एमबीए, रूरल टेक्नालॉजी, एमएसडब्ल्यू, साइकोलॉजी अध्ययनशाला के स्टूडेंट्स शामिल हुए।

बस्तर की जनजातीय कला-संस्कृति के धरोहर को पुनर्जीवित करने बस्तर पंडुम का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

राज्य शासन द्वारा बस्तर की समृद्ध जनजातीय कला एवं संस्कृति के धरोहर को पुनर्जीवित इसे देश और वैश्विक पटल पर रखने सहित स्थानीय जनजातीय समुदाय के

- मुख्य सचिव ने कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर और एसपी को तैयारी के दिए निर्देश

लोगों को अमिट पहचान और समुचित सम्मान दिलाने के उद्देश्य से मार्च में बस्तर पंडुम यथा बस्तर का उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस परिप्रेक्ष्य में मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने मंगलवार शाम को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कमिश्नर-आईजी सहित सातों जिले के कलेक्टर एवं एसपी को आवश्यक तैयारी एवं व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान प्रमुख सचिव अनुसूचित जाति एवं आदिम जाति विकास विभाग सोनमणि बोरा, सचिव संस्कृति विभाग अनबलगन पी सहित राज्य शासन के वरिष्ठ उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

वीडियो कांफ्रेंसिंग में सचिव संस्कृति अनबलगन पी ने बताया कि बस्तर के जनजातीय समुदाय के लोगों विशेषकर युवाओं के मध्य समरसता और एकता स्थापित करने की इस अनूठी पहल से बस्तर की जनता में विश्वास, शान्ति और विकास को बढ़ावा मिलेगा। बस्तर पंडुम का आयोजन ब्लॉक, जिला और संभाग स्तर पर किया जाएगा। जिसमें जनजातीय नृत्य, गीत, नाट्य सहित जनजातीय वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन, जनजातीय वेशभूषा एवं आभूषण का प्रदर्शन, जनजातीय कला एवं गोदना का प्रदर्शन तथा जनजातीय व्यंजन एवं पेय पदार्थों का प्रदर्शन विधाओं को शामिल किया गया है। साथ ही केवल संभाग स्तर आयोजन में जनजातीय रीति-रिवाज एवं तीज-त्यौहार पर आधारित प्रदर्शनी को समाहित किया गया है। ब्लॉक स्तर के बस्तर पंडुम में सभी कलाकारों एवं प्रतिभागियों को ओपन एंट्री दी जाएगी। इसके बाद चयनित दल एवं प्रतिभागी जिला स्तर और जिला स्तर से चयनित दल एवं प्रतिभागी संभाग स्तर के बस्तर पंडुम में अपनी सहभागिता निभाएंगे। बस्तर पंडुम के प्रत्येक स्तर को बस्तर में उत्सव की तरह मनाया जायेगा जिसमें समाज प्रमुखों, वरिष्ठ नागरिकों, जनप्रतिनिधियों को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जायेगा। जिला एवं संभाग स्तर पर बड़े स्तर के कलाकारों को आमंत्रित कर कार्यक्रम प्रस्तुति का अवसर प्रदान किया जाएगा। साथ ही मेहमान कलाकारों के रूप में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के दलों को आमंत्रित किया जाएगा। बस्तर पंडुम के प्रत्येक स्तर पर विजेता दलों एवं प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र सहित फोटो फ्रेम भेंटकर सम्मानित किया जायेगा। इस आयोजन के प्रत्येक स्तर पर निःशुल्क भोजन एवं आवागमन हेतु वाहन की व्यवस्था सहित ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराया जाएगा। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान कलेक्टोरेट के एनआईसी कक्ष में कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी., कलेक्टर हरिस एस एवं एसपी शलभ सिन्हा और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अद्वितीय जनजातीय कला एवं संस्कृति के लिए विश्व प्रसिद्ध

दंडकारण्य के घने जंगल में बसा बस्तर अपने अद्वितीय जनजातीय कला एवं संस्कृति के लिए विश्व प्रसिद्ध है, यहां की जनजातीय समाज घने जंगल, पहाड़ी एवं दुर्गम स्थानों में निवासरत है, जिनकी एक विशेष बोली-भाषा, खान-पान, रहन-सहन सहित कला-संस्कृति तथा तीज-त्यौहार हैं। बस्तर की नैसर्गिक सुंदरता भी अप्रतिम है जो देश-दुनिया के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

शिवकाली मंदिर स्थापना दिवस पर कलश यात्रा आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहर के बहुप्रतिष्ठित बंगाली समाज मैत्री संघ संस्था द्वारा संचालित श्री श्री शिव काली मंदिर का 29 वां स्थापना दिवस 28 फरवरी को बड़े ही भव्यता के साथ मनाया जाएगा। स्थापना दिवस के एक दिन पूर्व 27 फरवरी को दोपहर 3 बजे महादेव घाट से मैत्री संघ में स्थित काली मंदिर तक कलश यात्रा निकाला जाएगा। 28 फरवरी स्थापना दिवस की पावन बेला पर सुबह मंदिर में विशेष पूजा का आयोजन किया जाएगा। पूजा समाप्ति के उपरांत दोपहर 1.30 बजे से भंडारा का आयोजन किया जाएगा। संध्या 7 बजे मैत्री संघ भवन में भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसमें भजन संध्या मेरी आवाज मेरी पहचान म्यूजिकल ग्रूप जगदलपुर द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया है, जिसके तहत शहर के नवनिर्वाचित महापौर संजय पांडे सहित पार्षद राणा घोष, राजेश चौधरी एवं उर्मिला यादव का सम्मान मैत्रीसंघ संस्था द्वारा किया जाएगा। मैत्री संघ संस्था के महासचिव सुनील साहा ने सभी भक्तगणों एवं श्रध्दालुओं से आग्रह किया कि कलश यात्रा में सभी शामिल होवें तथा आयोजित पूजन में शामिल होकर माता का आशीर्वाद प्राप्त करें एवं माता का प्रसाद ग्रहण करें।

कार्यशाला में मिला पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण

जगदलपुर। वन विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला में सीसीएफ आरसी दुग्गा और डीएफओ की उपस्थिति में बीजापुर सामान्य एवं आईटीआर के समस्त कर्मचारी, अधिकारी, प्रबंधक, अग्नि प्रहरी, फड़ मुंशी, पेट्रोलिंग गार्ड को अग्नि प्रबंधन एवं प्रोटेक्शन के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

खबर संक्षेप

निर्वाचन कार्य में नशे की हालत में पाये गए 4 कर्मचारी निलंबित

बीजापुर। नागेन्द्र साहू, प्रधान अध्यापक प्राथमिक शाला पोनोडवाया, दयालू राम तारम, प्रधान अध्यापक प्राथमिक शाला बेचरम, शिवलाल भूआर्य प्रधान अध्यापक प्राथमिक शाला उतला एवं भीमसन कुड़ियम सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला पेदापाल को त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन के तहत मतदान दलों को सामग्री वितरण एवं निर्वाचन पश्चात सामग्री प्राप्त करने हेतु उपस्थित होने आदेशित किया गया था। उक्त स्थल पर शराब पीकर पाये गये निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बरतने के फलस्वरूप कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संबित मिश्रा ने उक्त कर्मचारियों को प्रावधानों के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी बीजापुर में मुख्यालय निर्धारित किया गया है।

विद्यार्थियों ने किया तिरिया पर्यटन स्थल का भ्रमण

जगदलपुर। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के भूगोल अध्ययनशाला के विद्यार्थियों ने तिरिया पर्यटन स्थल का भौगोलिक भ्रमण किया। इस दौरान एमए द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने प्रायोगिक तौर पर नदी के अपरदन और निक्षेपण द्वारा निर्मित स्थल रूपों अध्ययन किया। स्टूडेंट्स ने गणेश बाहर नाला का सबरी नदी में संगम को देखा। भ्रमण का नेतृत्व कर रहे डॉ. राकेश कुमार खरवार ने बताया कि पठारी क्षेत्र में ऊंचाई से प्रवाहित होने के कारण गणेश बाहर नाला द्वारा छोटे छोटे वितरिकाओं जलप्रपातो एवं छोटे-छोटे झील का निर्माण हुआ है। इस वजह से संगम स्थल का प्राकृतिक सौंदर्य और आकर्षक हो गया है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने तिरिया गांव के निवासियों के सामाजिक-आर्थिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं के साथ-साथ उनके बसावट प्रतिरूपों का भी अध्ययन किया। आईआईसी के निर्देशक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सजीवन कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस भ्रमण कार्यक्रम में अतिथि शिक्षक गौरी देवांगन एवं विद्यार्थियों में गोमती, निशा, रितिका, रमेश, खिरदेव, विनीत, संजू एवं मयंक ने भाग लिया।

कमिश्नर ने स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट विद्यालय धरमपुरा का किया निरीक्षण

जगदलपुर। कमिश्नर डोमन सिंह ने मंगलवार को स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम स्कूल धरमपुरा का निरीक्षण कर उक्त विद्यालय के निर्माण, मरम्मत एवं पुनर्निर्माण किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट आगामी एक माह के भीतर प्रस्तुत किए जाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान इस स्कूल के लाइब्रेरी, प्रयोगशाला, विभिन्न क्लासरूम सहित कल्चरल प्रोग्राम शेड एवं मध्यान्ह भोजन रसोईघर का बारीकी से जायजा लिया। साथ ही तकनीकी प्राक्कलन एवं प्रशासकीय स्वीकृति के आधार पर करवाए गए कार्यों की पूरी जानकारी ली। ज्ञात हो कि राज्य शासन द्वारा कमिश्नर बस्तर संभाग की अध्यक्षता में चार सदस्यीय संभाग स्तरीय समिति गठित कर समूचे बस्तर संभाग के प्रत्येक स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट विद्यालय के निर्माण, मरम्मत एवं पुनर्निर्माण सम्बन्धी कार्यों की जांच कर एक माह के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

दुर्गूकोंदल अंचल में आस्था और भक्ति के साथ मनाया गया महाशिवरात्रि पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल

महाशिवरात्रि पर शिवालय भक्तों की आस्था और भक्ति से सराबोर हो उठे। दुर्गूकोंदल शिवमंदिर, आवासपारा स्थित शिवालय में पूरे दिन श्रद्धालुओं ने पूजा पाठ व जलाभिषेक किया गया। देर शाम तक मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा।

अंचल भर में धूमधाम से महाशिवरात्रि का पर्व मनाया गया। खंडीघाट में देर रात से ही श्रद्धालुओं का मंदिरों में पहुंचना शुरू हो गया था। उसके बाद तड़के से स्नान करके मंदिरों की तरफ रुख कर दिया। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, मंदिरों पर भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया। देखते ही देखते शिवालयों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ने लगा। बम-बम भोले की गूंज के साथ भक्तों ने बाबा के दर्शन किए। शिवालयों में भक्तों की कतारें लग गईं। चारों ओर ओम नमः शिवाय और बम-बम भोले के जयकारे हर तरफ सुनाई देने लगे। हर-हर महादेव के जयकारों का सिलसिला जारी रहा।संध्या भोलेनाथ व माता पार्वती के विवाह के सुंदर झांकी भगवान शिव माता पार्वती के साथ नंदी, भूत प्रेत गण श्रद्धालुओं का आकर्षण का केंद्र रहा। जानकारों का मानना है कि खंडीघाट में क्रस्टोज लाइकेन के लेकोनोरा यहाँ के चट्टानों में देखने को मिलता है, जो यह बताता है कि यह क्षेत्र प्रदूषण रहित है। खंडीघाट में पुरातात्विक स्थल मोहनी पत्थर का अब प्रतीक बस शेष है,बहादुर कलारिन माता मंदिर का निर्माण कर सुरक्षित किया गया है लेकिन यह पर्याप्त नही है। शिवमंदिर में अनवरत स्वर्णगंगा की जलधारा उत्सुकता का विषय है। भेजरगढ़ का ऐतिहासिक महत्व है जिसका इतिहास राजाओं के शासनकाल से जुड़ा हुआ है।

खंडीघाट मेले में लोगों ने जमकर की खरीदारी

महाशिवरात्रि के अवसर पर कर्रामाड़ और खंडीघाट में मेला लगा। जिसमें महिलाओं ने घरेलू उपयोग की चीजें खरीदी, तो बच्चों ने झूलों का आनंद लिया। सभी मंदिरों पर काफी भीड़ रही। पहले भक्तों ने मंदिरों में पहुंचकर जलाभिषेक किया। उसके बाद मेले में बच्चों और महिलाओं ने जमकर खरीदारी की। देर शाम तक मेलों में लोगों की भीड़ रही। मेले में भीड़ को नियंत्रित करने पुलिस के जवान महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर थाना सिविल लाइन क्षेत्र में आने वाले खंडीघाट व कर्रामाड़ शिव मंदिर में उपस्थित रहे। शिवरात्रि के मौके पर मंदिरों में बहुत भीड़ रही। रात 8 बजे से बाबा का भव्य श्रृंगार व आरती की गई। इस मौके पर शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई।

सुरक्षा बल : शिविर का आयोजन करके ग्रामीणों की आंखें जांच की गई

सीमा सुरक्षा बल देश की सीमाओं की रक्षा ही नहीं बल्कि समाज की भी सहायता करता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

135 वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल द्वारा नक्सल प्रभावित एवं अति संवेदनशील क्षेत्र सीओबी सोनपुर के इलाके में बाजार के नजदीक समाज के हित में महत्वपूर्ण पहल के तहत नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें चश्मा के अलावा ग्रामीणों को आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया।

सीओबी सोनपुर में 25 फरवरी को आयोजित शिविर में मुख्य अतिथि की आसंदी से बीएसएफ के आईजी आनंद प्रताप सिंह ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सीमा सुरक्षा बल केवल देश की सीमाओं की रक्षा ही नहीं करता, बल्कि समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए भी प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य है कि इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से जनता के साथ बेहतर संबंध स्थापित किए जाएँ और उनकी समस्याओं को समझकर समाधान प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से ना केवल स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं, बल्कि सुरक्षा बलों और नागरिकों के बीच सहयोग एवं विश्वास भी बढ़ता है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य सीमावर्ती एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा सुविधा प्रदान करना एवं सुरक्षा बलों के प्रति विश्वास को सुदृढ़ करना था।

आयोजित शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा 327 लोगों की नेत्र जाँच किया गया और आवश्यकतानुसार 300 लोगों को चश्मा का वितरण किया गया। कार्यक्रम में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा के अतिरिक्त 356 अन्य बीमारियों से ग्रसित लोगों को भी जाँच करने के पश्चात दवाईयाँ वितरित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामवासियों के बीच विभिन्न आवश्यक सामग्रियों का भी वितरण किया गया, जिसमें साड़ी, कंबल, मच्छरदानी, छाता, शॉल, दराती, पानी का ड्रम, वाटर कैम्पर एवं रोजमर्रा के उपयोगी सामान शामिल थे। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों को बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराना एवं उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है।

कार्यक्रम के समापन पर 135 वीं बटालियन के कमांडेट नवल सिंह द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों, जवानों और ग्रामीणों को धन्यवाद देते हुए कहा गया कि समाज कल्याण एवं सामुदायिक विकास के प्रति लोगों की उपस्थित ही गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बनाई जा रही है, ताकि दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। आयोजित कार्यक्रम में डीआईजी हरिंदर पाल सिंह सोही, डीआईजी बक्सराज कौशल, वीरेन्द्र कुमार गिरी, नवल सिंह, अनिल सिंह रावत, एसपी साहू, डॉ. एस. जया वालन, डॉ. तारिक अहमद, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. लक्ष्मी नारायण वर्मा, डॉ. वेदांत बघेल, राजपाल सिंह, सन्नी आलोक तिग्गा, दया किशोर एक्का, जयदीप अग्रवाल, कुलदीप कुमार देवलाल, प्रभात कुमार के अलावा कोहकामेटा, कच्चापाल, कुरुसनार और सोनपुर के आसपास के कुल 1433 ग्रामीण उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर दिनभर मंदिरों चला पूजा-पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चारामा

नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में महाशिवरात्रि पर्व हर्षोल्लास और भक्ति भाव से मनाया गया। भगवान शिव की उपासना के इस पावन दिन पर श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा भाव से व्रत, जलाभिषेक और पूजन-अर्चना किया। नगर के विभिन्न मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, वहीं महानदियों में भी श्रद्धालु स्नान कर शिव आराधना में लीन हो गए।

महाशिवरात्रि के अवसर पर कुछ स्थानों पर नए शिवलिंग की प्राणप्रतिष्ठा भी की गई। विधि-विधान से हुए इन अनुष्ठानों में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। धार्मिक मंत्रोच्चार और भव्य पूजा-अर्चना के साथ नगर में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। नगर के साथ-साथ आसपास के सभी ग्रामों में भी महाशिवरात्रि का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। गांवों में छोटे-बड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां भजन-कीर्तन और सत्संग का आयोजन हुआ। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने चौक-चौराहों पर प्रसाद वितरण किया, वहीं कुछ जगहों पर भक्तों के लिए विशेष रूप से ठंडाई का वितरण किया गया। महाशिवरात्रि के अवसर पर कई स्थानों पर रात्रि में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। भजन संध्याओं में स्थानीय कलाकारों और भजन मंडलियों ने शिव भक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां दिया। पूरे नगर में शिवमय माहौल देखने को मिला। मंदिरों में विशेष श्रृंगार और रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। भक्तों ने पूरी श्रद्धा के साथ रुद्राभिषेक कर भगवान शिव से सुख, समृद्धि और शांति की कामना किया।

रायपुर की कोचिंग संस्थाओं को अब कोराना काल की फीस लौटानी होगी, फरमान जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

कोरोना के समय रायपुर की कोचिंग संस्थान ने कोरर की छात्रा से नेट जेआरएफ, सेट की तैयारी के लिए फीस जमा करवाया। कोरोना के चलते कक्षाएं बंद हो गई और फीस वापिस नहीं करने पर छात्र ने उपभोक्ता फोरम में अपील किया। उपभोक्ता फोरम ने फीस वापिस करने का फरमान सुनाया है।

जानकारी के अनुसार कोरर निवासी तुलेश्वरी साहू पिता देवचरण साहू ने बताया कि 8 जनवरी 2020 को नेट, जे आरएफ और सेट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए रायपुर की कोचिंग में दाखिला लेकर निर्धारित फीस 23 हजार 500 रूपएं दो किस्तों में जमा किया था, लेकिन कुछ ही दिनों बाद कोरोना महामारी के चलते कोचिंग संस्थान बंद कर दिया गया और आश्वासन दिया गया कि महामारी समाप्त होने के पश्चात पढ़ाई शुरू करवाई जाएगी या ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा। कोरोना समाप्त होने के उपरांत आज तक कोचिंग के द्वारा न तो ऑनलाईन और न ही ऑफलाईन पढ़ाई नहीं करवाया गया और पूरे सत्र के लिए दी गई फीस 23 हजार 500 रूपएं वापिस भी नहीं किया गया। छात्रा ने बताया कि अधिवक्ता के माध्यम से संस्था को नोटिस भी भिजवाया लेकिन कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। इससे व्यथित होकर छात्रा ने उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग जिला कांकेर में कोचिंग संस्थान के विरुद्ध दावा प्रस्तुत किया।

पक्ष विपक्ष की सुनवाई तथा मामले के गहन अध्ययन के पश्चात आयोग की अध्यक्ष सुजाता जसवाल तथा सदस्य डाकेश्वर सोनी ने 19 फरवरी को फैसले में स्पष्ट आदेश दिया कि यह सेवा में कमी का मामला है, अतः कोचिंग संस्थान छात्रा को शुल्क के रूप में जमा की गई 23500 की संपूर्ण राशि तथा उस पर दावा प्रस्तुति 9 अप्रैल 2024 से 7 प्रतिशत साधारण ब्याज की दर से एक माह के भीतर प्रदान करें इसमें विलंब होने पर ब्याज की दर 9 प्रतिशत किया जाएगा। इसके अलावा फरियादी को मानसिक पीड़ा व परेशानी के संबंध में क्षतिपूर्ति राशि 5000 रूपएं भी एक माह के भीतर प्रदान करने होंगे , यही नहीं फरियादी को मुकदमे का हरजा खर्चा 3000 रूपएं भी कोचिंग संस्थान द्वारा दिया जाएगा।

लाइन विच्छेदन के दौरान शासकीय कार्य में बाधा डाला व की मारपीट

जगदलपुर। विद्युत देयक का भुगतान की समझाइश करने पहुंचे लाइन मेन कर्मचारियों के साथ उपभोक्ता ने शासकीय कार्य में बाधा एवं मारपीट किया। कोतवाली पुलिस थाना में सहायक अभियंता ने आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्युत उपभोक्ता श्रीमती पुष्पा सेठी, पति शिवकुमार अटल आवास क्वार्टर क्रमांक डी-5 महावीर नगर धरमपुरा जगदलपुर का विद्युत कनेक्शन बीपी क्रं० 1005021965 है, जिसका विद्युत देयक का भुगतान पिछले दो माह से नहीं किया है। विद्युत कंपनी के नियमानुसार विद्युत देयक का भुगतान नहीं करने पर, वसूली हेतु मंगलवार को लाइन विच्छेदन कार्य के लिए कर्मी सुलघर बघेल एवं अन्य कर्मी को भेजा गया था। उस दौरान पुष्पा सेठी, पति शिवकुमार सेठी ने परिवार के साथ मिलकर विद्युत कर्मियों के साथ गाली गलौच, झूठा बर्तन एवं गमला फेंक कर मारा। साथ ही पुष्पा का पुत्र कर्मी को मुक्के से गर्दन के पास वार किया। जिससे कर्मी गिर गया जिससे हाथ छिल गया।

जनपद चुनाव में तनु को शानदार जीत मिली, निकाली आभार रैली

चारामा। जनपद पंचायत चारामा क्षेत्र क्रमांक 02 से तनु हिरेन्द्र साहू ने जनपद सदस्य पद पर शानदार जीत दर्ज करने के बाद एक भव्य आभार रैली निकाली। इस रैली में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया और जगह-जगह पर फूल बरसाकर विजयी जनपद सदस्य का अभिनंदन किया। जनपद पंचायत चारामा क्षेत्र क्रमांक 02 से शानदार जीत के बाद तनु हिरेन्द्र साहू ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा यह जीत मेरी नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की जनता की जीत है। आपने जो विश्वास और समर्थन दिया है, उसके लिए मैं हृदय से आभारी हूं। अब मेरी जिम्मेदारी है कि आपके भरोसे को कायम रखते हुए क्षेत्र के विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करूं। यह भी आश्वासन दिया कि वे अपने क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने और विकास कार्यों को गति देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम करेंगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और पानी जैसी बुनियादी जरूरतों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस भव्य रैली में क्षेत्र के नागरिक, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली के समापन पर तनु हिरेन्द्र साहू ने सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का धन्यवाद किया और विश्वास दिलाया कि वे हमेशा जनता के हित में कार्य करेंगी। उनकी इस जीत से क्षेत्र में नई उम्मीदें जगी है।

महाशिवरात्रि पर विहिप व बजरंग दल ने ठंडाई बांटी

चारामा। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नगर चारामा में भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। श्रद्धालुओं की सेवा भावना को प्राथमिकता देते हुए कार्यकर्ताओं ने बड़े उत्साह के साथ ठंडाई जूस वितरण किया। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर नगर के प्रमुख मंदिरों और शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां शिवभक्तों ने जलाभिषेक और पूजन कर भगवान भोलेनाथ से सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के सदस्यों ने शिवभक्तों को ठंडाई जूस का प्रसाद वितरित कर महाशिवरात्रि महोत्सव को और भी आनंदमय बना दिया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सेवा कार्य को सफल बनाया। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि भगवान शिव की भक्ति और सेवा का प्रतीक है, और इस अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा करना हमारा सौभाग्य है। इस पावन मौके पर नगरवासियों ने भी विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के इस पहल की सराहना किया।

चोट एवं जलने के बाद घाव की प्लास्टिक सर्जरी
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

नवनिर्वाचित सरपंच व पंच का किया सम्मान

कांकेर। विकासखंड कांकेर के ग्राम पंचायत नारा के रामलील मंडली भवन में नवनिर्वाचित सरपंच व पंच का सम्मान पूर्व विधायक शिशुपाल शोरी की उपस्थिति में किया गया। नवनिर्वाचित ग्राम पंचायत नारा सरपंच धनाराम नेताम, ग्राम पंचायत हाटकोंगेरा सरपंच संजू दर्रो, ग्राम पंचायत बागोड़ार सरपंच फुलेश्वरी नेताम, नारा ग्राम पंचायत के पंच जय किशन साहू,पवन बाई साहू, खेदू नेताम, माधुरी सिन्हा का सम्मान किया गया। इस अवसर पर रात्रि 9 बजे से प्रवचनकर्ता देवव्रत शास्त्री महाराज द्वारा भगवान शंकर का शिव महिमा का प्रवचन हुआ। इस अवसर पर नारा के पूर्व उपसरपंच भागबली जैन, गौठान के पूर्व अध्यक्ष सुरेश नाग, डड़सेना कलार समाज के अध्यक्ष नंद कुमार जैन, पुरुषोत्तम जैन, हिमालय जैन, शिवशंकर जैन, खम्मन जैन, कुमारी नाग, बेबी नाग, बीरेंद्र जैन, मनटोरा सिन्हा ग्रामवासी उपस्थित रहे।